समस्त पत्र–व्यवहार कुलसचिव को ही संबोधित किया जाये
किसी प्रकार के व्यक्तिगत नाम से नही। पूर्व सदर्भ यदि हो
तो ,देना आवश्यक है अन्यथा कोई कार्यवाही सम्भव नही होगी।

दूरभाष : 2529540,25275320
तार : यूनिव्हरर्सिटी
फेक्स : 0731–2529540

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

विश्वविद्यालय–भवन
इन्दौर–452001

कमांकःसंविक / 2025 / 346 दिनांक 11 APR 2025

प्रति,

विभागाध्यक्ष / निदेशक,
समस्त अध्ययनशालाएं, दे.अ.वि.वि.,
तक्षशिला परिसर, खण्डवा रोड, इन्दौर

विषयः– सृजन कार्यक्रम में सहभागिता बाबत्।
संदर्भः– कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, सतपुडा भवन भोपाल के पत्र क्रमांक 339 / 46 / आउशि / शा–1 / 2025 भोपाल दिनांक 26.03.2025।

महोदय / महोदया,

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्रानुसार तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं आयुष, म.प्र. शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, सृजन कार्यक्रम की प्रति पत्र के साथ संलग्न कर अपाकी ओर आगामी कार्यवाही हेतु प्रेषित।

संलग्नः– संदर्भित पत्र की छायाप्रति।

कुलसचिव

पृष्ठा. कमांकःसंविक / 2024 / 346 दिनांकः 11 APR 2025

प्रतिलिपिः–

01 आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, सतपुडा भवन, भोपाल म.प्र.।
02 अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग, इन्दौर संभाग मोती तबेला इन्दौर।
03 कुलगुरूजी के सचिव / कुलसचिव के निज सहायक की ओर सूचनार्थ।
04 विभागाध्यक्ष, आय.टी. सेन्टर की ओर विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

संकायाध्यक्ष,छात्र कल्याण

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश
सतपुड़ा भवन, भोपाल–462004

क्रमांक 339 / 46 / आउशि / शा–1 / 2025 भोपाल, दिनांक 26 / 03 / 2025

प्रति,

1. कुलसचिव,
   समस्त विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश।
2. सचिव,
   मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल
3. प्राचार्य,
   समस्त शासकीय / अनुदान प्राप्त अशासकीय / निजी अशासकीय महाविद्यालय, मध्यप्रदेश।

विषय– सृजन कार्यक्रम में सहभागिता बाबत्।

संदर्भ– कुलसचिव, राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,भोपाल का पत्र क्रमांक / एफ–3 / प्रशा / रागांप्रौवि / 2025 / 237, भोपाल दिनांक 07.03.2025

—0—

उपरोक्त विषयान्तर्गत राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल का पत्र क्रमांक / एफ–3 / प्रशा. / रागांप्रौवि / 2025 / 237, भोपाल दिनांक 07.03.2025 एवं संलग्न **Information Brochur** सृजन कार्यक्रम की प्रति पत्र के साथ संलग्न कर आपकी ओर प्रेषित है।

2 माननीय मंत्री महोदय, तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं आयुष, म.प्र. शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा के साथ–साथ उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी शैक्षणिक संस्थानों के छात्र / छात्राओं के प्रोजेक्ट्स को डिसप्ले कराने हेतु राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दिनांक 10–11 मई, 2025 को एक प्रदर्शनी आयोजित की जावेगी। उच्च शिक्षा के प्रत्येक कॉलेज से तीन प्रविष्टियों को कॉलेज प्राचार्य चयन कर आरजीपीवी के पोर्टल पर प्रविष्टि हेतु भेजना सुनिश्चित करेंगे।

3 सृजन कार्यक्रम का मूल उद्देश्य तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करना है।

4. सृजन कार्यक्रम हेतु ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रोजेक्ट्स का विवरण अपलोड करने की शुरूवात दिनाक 25 मार्च, 2025 से की गई है।

5. प्रोजेक्ट्स विवरण जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 19 अप्रैल, 2025 निर्धारित है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न प्रकार के प्रोजेक्ट्स डिस्प्ले किये जा सकेंगे :–

- मॉडल के प्रकार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए)
  1. वर्किंग मॉडल–प्रैक्टिकल एप्लीकेशन को दर्शाने वाले वर्किंग मॉडल
  2. डेमोंस्ट्रेटिव मॉडल–दृश्य आधारित या भौतिक प्रस्तुतीकरण
  3. सिमुलेशन–आधारित प्रोजेक्ट्स–प्रक्रियाओं, डिजाइनों, या भविष्य की संभावनाओं को सिमुलेशन के माध्यम से प्रदर्शित करने वाले प्रोजेक्ट्स
- मॉडल की श्रेणियाँ

1	रूरल टेक्नोलॉजी	2	क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी	3	इंडस्ट्री 4.0 / 5.0
4	वेस्ट मैनेजमेंट	5	स्वास्थ्य विज्ञान / लाइफ साइंस	6	स्मार्ट एजुकेशन

DSW

निरन्तर....2.

6. प्रत्येक प्रोजेक्ट टी में 1 फैकल्टी मेंबर एवं अधिकतम 4 छात्र/छात्राएं सम्मिलित हो सकेंगे। ज्यूरी के माध्यम से प्रोजेक्ट्स का चयन कर प्रत्येक श्रेणी में प्रथम 50 प्रोजेक्ट्स को चयनित किया जावेगा एवं डिस्प्ले योग 30 प्रोजेक्ट्स को हर श्रेणी में डिस्प्ले हेतु अंतिम रूप से चयनित किया जावेगा।

7. प्रत्येक मॉडल श्रेणी में कुल 12–12 पुरस्कार प्रदान किये जायेगे। पृथक–पृथक पुरस्कार राशि रूपये 5000/– से 20,000/– तक निर्धारित है।

8. सम्पर्क और ई–मेल अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए निम्नलिखित अधिकारियों से सम्पर्क किया जा सकता है –

1 डॉ. पीयूष कुमार शुक्ला 425378576
2 डॉ. बिनोद कुमार सोनी 9713858519
3 डॉ. रितू के आर. 7692006889
4 डॉ. रश्मि निगम 9424468045
5 डॉ. पंकज सारसिया 7566442696
6 श्री विकास रोहित 9827228791

- ईमेल – srijan@rgpv.ac.in, egov@rgpv.ac.in

समस्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं शासकीय/अनुदान प्राप्त अशासकीय/निजी अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य से अनुरोध है कि छात्र/छात्राओं के प्रोजेक्ट्स को डिसप्ले कराने हेतु आरजीपीवी के पोर्टल पर निर्धारित तिथि में प्रविष्टि भेजना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही प्रविष्टि की सूचना ईमेल– dk.shukla64@gmail.com पर प्रेषित करने का अनुरोध है।

26/3/25

संलग्न–उपरोक्तानुसार
(आयुक्त उच्च शिक्षा द्वारा अनुमोदित)

(डॉ0 वीरेन्द्र शुक्ल)
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 /03/ 2025

पृ. क्रमांक: 340/46/आउशि/शा–1/2025

प्रतिलिपि–

1. विशेष सहायक, माननीय मंत्री जी, उच्च शिक्षा विभाग,मंत्रालय,भोपाल,मध्यप्रदेश।
2. स्टॉफ ऑफिसर, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
3. निज सहायक, आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, सतपुड़ा भवन, भोपाल, मध्यप्रदेश।
4. निज सहायक, कुलगुरू, समस्त विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश।
5. कुलसचिव, राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,भोपाल।
6. समस्त क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश ।
7. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, आई.टी. शाखा, उच्च शिक्षा संचालनालय, भोपाल। कृपया विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु।

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल

STUDENT RESEARCH INNOVATION JOINT ACTION AND NURTURING

RAJIV GANDHI PROUDYOGIKI VISHWAVIDYALAYA, BHOPAL

"सृजनं शक्ति: नयति विजयम्"

SRIJAN

SRIJAN

Students Researching In Just About Anything

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

द्वारा आयोजित

स्थान : राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

(मध्य प्रदेश का तकनीकी विश्वविद्यालय)

एयरपोर्ट बायपास रोड, गांधी नगर, भोपाल म.प्र. - 462033

SRIJAN के बारे में

इनोवेट एम पी मिशन के तहत SRIJAN का उद्देश्य राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल से संबद्ध इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक एवं उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत सभी महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को वर्त्तमान में संचालित पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विकसित किये गए नवीन प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना है। यह कार्यक्रम उत्कृष्ट प्रोजेक्ट्स को चिन्हित करने एवं उन्हें भविष्य में प्रोटोटाइप के रूप में विकसित करने के लिए पूर्ण सुविधा प्रदान करने का प्रयास है | SRIJAN, स्टार्ट-अप की स्थापना को भी प्रोत्साहित करेगा। SRIJAN का मूल उद्देश्य तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करना है।

उद्देश्य

- छात्रों को रियल लाइफ प्रॉब्लम्स एवं इमर्जिंग प्रौद्योगिकी बेस्ड प्रोजेक्ट्स पर कार्य को आगे विकसित करने के लिए प्रोत्साहित एवं सहायता प्रदान करना।
- इनोवेटिव आइडियाज को स्टार्ट-अप में बदलने की सहायता प्रदान करना।
- तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों हेतु एक इकोसिस्टम विकसित करना एवं सहायता प्रदान करना ।
- नवीन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से अनुसन्धानोमुखी शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देना।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न प्रकार के प्रोजेक्ट्स डिस्प्ले किये जा सकेंगे

- **मॉडल के प्रकार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए)**
  a. **वर्किंग मॉडल** - प्रैक्टिकल एप्लीकेशन को दर्शाने वाले वर्किंग मॉडल
  b. **डेमोंस्ट्रेटिव मॉडल** - दृश्य आधारित या भौतिक प्रस्तुतीकरण
  c. **सिमुलेशन-आधारित प्रोजेक्ट्स** - प्रक्रियाओं, डिजाइनो, या भविष्य की संभावनाओं को सिमुलेशन के माध्यम से प्रदर्शित करने वाले प्रोजेक्ट्स
- **मॉडल की श्रेणियाँ**

1. रूरल टेक्नोलॉजी	2. क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी	3. इंडस्ट्री 4.0/5.0
4. वेस्ट मैनेजमेंट	5. स्वास्थ्य विज्ञान/ लाइफ साइंस	6. स्मार्ट एजुकेशन

कार्यक्रम की रूपरेखा

- विश्वविद्यालय के पोर्टल पर संबंधित संस्थाओं द्वारा अप्लाई किये जाने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तृत विवरण अपलोड करने की व्यवस्था की जावेगी। प्रत्येक प्रोजेक्ट टीम में 1 फैकल्टी मेंबर एवं अधिकतम 4 छात्र/छात्राएं सम्मिलित हो सकेंगे। ज्यूरी के माध्यम से प्रोजेक्ट्स का चयन कर प्रत्येक श्रेणी में प्रथम 50 प्रोजेक्ट्स को चयनित किया जावेगा एवं डिस्प्ले योग्य 30 प्रोजेक्ट्स को हर श्रेणी में डिस्प्ले हेतु अंतिम रूप से चयनित किया जावेगा।
- प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन शिक्षा और उद्योग विशेषज्ञो के संयुक्त दल द्वारा किया जावेगा।

पुरस्कार संरचना

प्रत्येक मॉडल श्रेणी में

• प्रथम पुरस्कार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षा)	कुल पुरस्कार 12 (प्रत्येक रु 20,000/-)
• द्वितीय पुरस्कार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षा)	कुल पुरस्कार 12 (प्रत्येक रु 15,000/-)
• तृतीय पुरस्कार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षा)	कुल पुरस्कार 12 (प्रत्येक रु 10,000/-)
• सांत्वना पुरस्कार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षा, प्रत्येक श्रेणी में छः)	कुल पुरस्कार 12 (प्रत्येक रु 5,000/-)
• महिला सशक्तिकरण (विशेष ज्यूरी) पुरस्कार (तकनीकी एवं उच्च शिक्षा, प्रत्येक श्रेणी में छः)	कुल पुरस्कार 12 (प्रत्येक रु 5,000/-)

- प्रत्येक प्रतिभागी को प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र प्रदान किया जावेगा |

SRIJAN कार्यक्रम की समय-सारणी

क्र.सं	गतिविधि	तिथि
1	आरजीपीवी के वेब पोर्टल पर SRIJAN कार्यक्रम की सूचना का प्रकाशन	12 मार्च 2025
2	ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रोजेक्ट्स का विवरण अपलोड करने की शुरुआत	25 मार्च 2025
3	प्रोजेक्ट्स विवरण जमा करने की अंतिम तिथि	19 अप्रैल 2025
4	अपलोडेड प्रोजेक्ट्स की प्रारंभिक समीक्षा	21 अप्रैल 2025
5	शीर्ष 150 प्रोजेक्ट्स का चयन और अंतिम सूची जारी करना	30 अप्रैल 2025
6	प्रदर्शनी स्थल पर सभी चयनित प्रोजेक्ट लीडर्स की रिपोर्टिंग	09 मई 2025
7	प्रदर्शनी का औपचारिक शुभारंभ माननीय मंत्री जी द्वारा	10-11 मई 2025

इनोवेट एमपी मिशन के तहत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित SRIJAN में चयनित प्रोजेक्ट्स के लिए निम्नलिखित क्षेत्रों को आगे ले जाने वाले कार्यों हेतु आवश्यक सहायता एवं मेंटरिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है।

1	किसी भी प्रकार की बौद्धिक संपदा के पेटेंट फाइलिंग के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहायता।
2	IP व्यवसायीकरण और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर प्रोटोटाइप के डेवलपमेंट हेतु तकनीकी सहयोग एवं वित्तीय सहायता।
3	नवाचार आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा देना।
4	इंडस्ट्री रेडी ट्रेनिंग (उद्योग में काम करने के लिए आवश्यक कौशल प्रशिक्षण)।
5	शोधकर्ताओं के लिए हाई स्पीड इंटरनेट थिंकिंग जोन स्थापित करना।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बारे में

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना 1998 में मध्य प्रदेश विधान सभा अधिनियम 13, 1998 द्वारा की गई थी। यह विश्वविद्यालय लगभग 247 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और तकनीकी शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर बढ़ रहा है। इसके अधीन 132 इंजीनियरिंग कॉलेज, 188 फार्मेसी कॉलेज, 46 MCA कॉलेज, 02 आर्किटेक्चर कॉलेज, 01 बी. डिज़ाइन कॉलेज और 04 यू.आई.टी (कोंस्टीटूएंट कॉलेज) हैं। विश्वविद्यालय में 17 स्नातक पाठ्यक्रम और 85 पॉलिटेक्निक संस्थान हैं जो डिप्लोमा कोर्स प्रदान करते हैं।

यह विश्वविद्यालय अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, जिसमें एयर कंडीशन किए गए एंफीथिएटर शैली के कक्ष, एक विशाल पुस्तकालय, एवं उच्चस्तरीय तकनीकी प्रयोगशालाएँ विभिन्न शोध सामग्री से युक्त है। विश्वविद्यालय में प्रबंधन, फोरेंसिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, नैनोटेक्नोलॉजी, संचार और फार्मेसी जैसे क्षेत्रों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित हैं। विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रोजेक्ट प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके साइंस एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है जिसके कुछ उदाहरण चित्रित है :-

आयोजन समिति

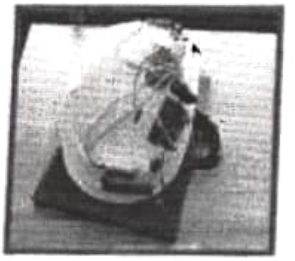

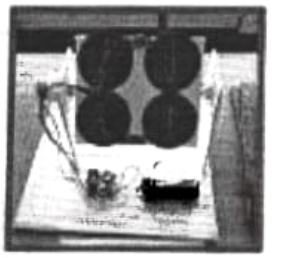

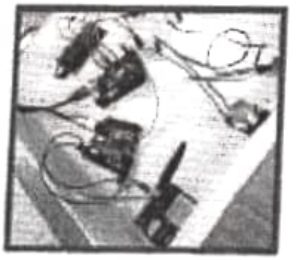

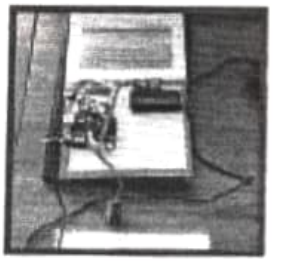

संरक्षक

श्री इन्दर सिंह परमार
माननीय मंत्री- उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग, म.प्र. शासन

सह-संरक्षक

डॉ.राजीव त्रिपाठी
माननीय कुलपति
राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल म.प्र.

सह-संरक्षक

डॉ.मोहन सेन
कुलसचिव
राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल म.प्र.

समन्वयक :- **डॉ. सुधीर सिंह भदोरिया**

सह-समन्वयक :- **डॉ. एस. सी. चौबे, डॉ. ए. सी. तिवारी**

समिति सदस्य :- **डॉ. जीतेन्द्र अग्रवाल, डॉ. रविन्द्र रणदा, डॉ. प्रतीक मानके, डॉ. जीतेन्द्र सिंगी, डॉ.पूर्णिमा खरे, डॉ. सविता व्यास।**

संपर्क एवं संवाद

संपर्क समिति :-

डॉ. पीयूष कुमार शुक्ला +91 9425378576	**डॉ. बिनोद कुमार सोनी** +91 9713858519	**डॉ. रितु के. आर.** +91 7692006889	**डॉ. रश्मि निगम** +91 9424468045
डॉ. पंकज सारसिया +91 7566442696	**श्री विकास रोहित** +91 9827228791	**श्री प्रशांत स्टील** +91 9329466054	**मिस अल्का तियारी** +91 8109513569

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, एयरपोर्ट बायपास रोड, गांधी नगर, भोपाल, म.प्र. - 462033 https://www.rgpv.ac.in
0755 - 2742006
For Any Support/Query :- srijan@rgpv.ac.in, egov@rgpv.ac.in